देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com
(A Digital Media Initiative to promote Accountability)

वॉल्यूम न.– 2022/kdgl/02 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | गुरुवार, 6 जनवरी 2022

महज एक साल पहले खोले गए AIM4 कोचिंग संस्थान में उड़ रही नियम-कायदों की धज्जियां!!!

विशेष रिपोर्ट-1

जीएसटी और इन्कम टैक्स की चोरी के साथ साथ लग रहे छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ के आरोप!!!

छात्र-अभिभावक पशोपेश में!!!

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

गत वर्ष भूखंड संख्या 11 कृष्णा विहार,गोपालपुरा बाईपास पर खोला गया था AIM4 कोचिंग,पहले साल ही दिये थे बेहतरीन परिणाम

गत वर्ष जयपुर की प्राइम लोकेशन गोपालपुरा पर श्री माधव एजुकेशनल सर्विसेस प्रालि कंपनी द्वारा अपने उपक्रम संस्थान AIM4 कोचिंग संस्थान की शुरुआत की गयी थी|उदघाटन के अवसर पर मीडिया को संबोधित करते हुए कंपनी के डायरेक्टरों ने छात्रों और अभिभावकों को विश्वास दिलाया था कि उनके निर्देशन मे यहाँ से निकले छात्र-छात्राएँ अवश्य अपने परिजनों,गुरुजनों और संस्था का नाम रोशन करेंगे|

इसी बात को सही साबित करते हुए NEET UG 2021 के जारी परिणाम में AIM4 संस्थान ने अपनी श्रेष्ठता साबित की| रिजल्ट घोषणा के बाद संस्थान के प्रवक्ता ने बताया कि अपने पहले ही वर्ष में संस्थान के 52 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी जिनमें से लगभग 28 स्टूडेंट्स चयनित हुए। संस्थान की छात्रा श्रुति बोहरा ने 720 में से 688 अंकों के साथAIR 532 हासिल करके संस्थान एवं माता-पिता का नाम रोशन किया|गौरतलब है कि संस्थान की इस सफलता के पीछे संस्थान के संस्थापक श्री आरपी शर्मा का बहुत बड़ा हाथ था|उनकी कड़ी मेहनत और लगन को देखते हुए ही कई होनहार छात्र-छात्राओं ने कोरोना काल के चलते,एक नए कोचिंग संस्थान मे एडमिशन लेने का जोखिम उठाया|

AIM4 के CEO और दो डायरेक्टर्स हुए अलग , शैक्षणिक गिरावट से ख़फ़ा थे CEO और दोनों डायरेक्टर्स

लेकिन गत दिसंबर मे एक खबर आई कि AIM4 -NEET के संस्थापक CEO श्री आर पी शर्मा और दो अन्य संस्थापक डायरेक्टर AIM4 से अलग हो गए है|श्री आर पी शर्मा ने एक बयान में कहा कि संस्थान में उच्च शैक्षणिक मानदंडों की पालना नहीं होने और लगातार चेतावनी के बावजूद सुधार नहीं होने के कारण तीनों ने संस्थान को अलविदा कह दिया| शर्मा ने दोष पूर्ण नीतियों और शिक्षा में लगातार गिरावट को देखते हुए इससे अलग होने का फ़ैसला लिया|

शर्मा ने शैक्षणिक स्तर में गिरावट का कारण संस्थान के दो निदेशकों श्री श्याम गोस्वामी और हिमांशु अग्रवाल की गलत नीतियों उनके कार्यकरण मे बरती जा रही अनियमितताओं को बताया|उन्होने आगे बताते हुए कहा कि संस्थान के अकाउंट मे लगातार गडबड़ियाँ मिल रही थी,जिसे दूर करने के लिए उनके द्वारा पूर्णकालिक चार्टेट अकाउंटेंट और कंपनी सेकेट्री भी रखे गए लेकिन कंपनी के अन्य डायरेक्टरों को यह पारदर्शिता रास नहीं आई और उन्होने उन्हे अकारण ही हटा दिया|इतना ही नहीं अन्य डायरेक्टरों द्वारा उनसे बिना पूछे कई अनुभवी फेकल्टियों को भी हटा दिया,जिनके भरोसे बच्चे इस संस्थान के प्रति आकर्षित हुए थे|इन बड़े कारणों के चलते दुःखी मन से उन्होंने AIM4 से अलग होने का निर्णय लिया|

जीएसटी और इन्कम टेक्स की चोरी कर रहा है AIM4 कोचिंग संस्थान

वैसे तो हमारे देश मे कोई भी शिक्षक संस्थान उच्च आदर्शो को ध्यान मे रखकर स्थापित किया जाता है|ऐसे संस्थान अपने स्थापित उद्देश्यों की पूर्ति के साथ अपने छात्रों को कानून की पालना करने और अच्छे नागरिक बनने का पाठ भी पढ़ाते है लेकिन AIM4 कोचिंग संस्थान मे तो इन आदर्शों की ही खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है,सूत्रों के अनुसार इस संस्थान मे देश के राजस्व जीएसटी और इन्कम टेक्स की चोरी की जा रही है|सूत्रों के अनुसार वर्तमान मे गोपालपुरा स्थित AIM4 कोचिंग संस्थान मे करीब 600 के आस-पास छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत है,लेकिन संस्थान द्वारा इनमे से करीब 350-400 बच्चो का ही एनरोलमेंट बताया गया है बाकी छात्र मात्र कच्ची पर्ची पर ही यहाँ शिक्षा ग्रहण कर रहे है|इतना ही नहीं जिन बच्चो का

एनरोलमेंट बताया गया उनसे भी दो नंबर मे अधिक फीस लेकर,बहीखातों मे कम फीस दर्ज की जाती है|संस्थान मे इतने बच्चे होने के बावजूद वर्तमान मे इस संस्थान मे एक अकाउंटेंट भी नहीं है जो संस्थान के बही खातो को संभाल सके|इससे पता चलता है कि इस संस्थान मे कितनी भयंकर वित्तीय अनियमितताए बरती जा रही है|

Business

Several coaching institutes booked for GST evasion of 3.10 cr

Continuing its drive against tax evasion, the sleuths of Central GST Commissionerate, Jammu have detected tax evasion of approximately Rs 3

अनुभवहीन फेकल्टी द्वारा दी जा रही कोचिंग,मौजूदा स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं|

सूत्रों के द्वारा बताया गया है कि इस संस्थान की शुरुआत के समय जो फेकल्टी बताई गयी थी,उन फेकल्टियों को यहा से हटा कर उनकी जगह अन्य अनुभवहीन फेकल्टी रख दी गयी है जिनसे यहा पर अध्ययनरत छात्र-छात्राएँ संतुष्ट नहीं है और लगातार प्रबंधन से शिकायते कर रहे है|दूसरी बड़ी बात यह है कि यहाँ पर करीब 25-30 लोगो का स्टाफ है लेकिन इसके बावजूद मौजूदा स्टाफ का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाया गया है|छात्रों ने तो यह भी बताया कि मौजूदा स्टाफ मे से 2-3 स्टाफ तो बड़ी बदतमीजी से जवाब देते है,जिससे उन्हे अपनी शंका पूछने मे भी घबराहट होती है|ऐसे मे भविष्य मे किसी अनिष्ट की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता|

श्रम कानूनों का हो रहा खुलेआम उल्लंघन,स्टाफ का ना पीएफ़,ईएसआई ना ही इंश्योरेंस

सूत्रों से पता चला है कि 25-30 व्यक्तियों का भारी-भरकम स्टाफ होने के बावजूद यहाँ के कर्मचारियों को ना तो पीएफ़,ईएसआई की सुविधा मिल रही है और ना ही इंश्योरेंस की|यदि श्रम विभाग इस संस्था के कागजों की जांच करे तो निश्चित रूप से श्रम क़ानूनों के उल्लंघन का बड़ा मामला सामने आएगा|

बेसमेंट मे चला रहे क्लासेज,गैलरी मे ऑफिस,अग्निशामन उपकरण नाकारा

सूत्रों के अनुसार यह संस्थान जिस भवन मे संचालित हो रही है वह भूखंड मालिक श्री संतोष अग्रवाल की है जिन्होने मोटे किराए पर इस बिल्डिंग के बेसमेंट,फ़र्स्ट,सेकंड और थर्ड फ्लोर को कोचिंग कार्य हेतु किराए पर दे रखी है|वैसे तो यह ईमारत जेडीए से अनुमोदित है लेकिन इसके बावजूद यहाँ पर भवन विनियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है|भवन विनियमों के अनुसार, इस भवन का बेसमेंट मात्र पार्किंग सुविधा हेतु अनुज्ञेय है लेकिन कोचिंग संचालको द्वारा बेसमेंट मे भी पार्टिशन करवाकर,यहा पर नियम विरुद्ध कोचिंग क्लासेज संचालित की जा रही है|इसके साथ ही इस भवन की गैलरी पर कब्जा कर ऑफिस बना लिया गया है,जो कि नियम विरुद्ध है|इसके साथ ही एक बड़ी अनियमिता जो सामने आ रही है वह फायर एनओसी के उल्लंघन की है|यहाँ पर अग्निशमन उपकरण तो लगे है लेकिन वह केवल शोपीस बन कर रह गए है,भगवान ना करे यहाँ कोई हादसा हो जाए तो यह अग्निशमन उपकरण जिम्मेदारों को मुंह चिढ़ाते नजर आएंगे|इतना ही नहीं,फायर एनओसी की शर्तों के अनुसार यहाँ पर कोई ट्रेंड स्टाफ भी नहीं है जो संकट के समय बचाव कार्यों मे मदद कर सके|ऐसे मे इस भवन मे स्वीकृत नक्शो के विपरीत हो रही गतिविधियों और फायर एनओसी

की शर्तों के उल्लंघन की सारी ज़िम्मेदारी कोचिंग संस्थान के संचालक के साथ साथ भवन मालिक श्री संतोष अग्रवाल की भी बनती है|

सरकार द्वारा जारी कोरोना गाइडलाइन की उड़ रही धज्जियां

वर्तमान मे सरकार द्वारा कोरोना के आगामी खतरे को देखते हुए 50% क्षमता के साथ कोचिंग संस्थान खोलने के आदेश जारी किए गए है |लेकिन यहा पर तो सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए ना केवल फुल केपेसिटी के साथ छात्र-छात्राओं को बुलाया जा रहा है बल्कि उससे भी अधिक क्षमता मे क्लासों को चलाया जा रहा है|आंकड़ो के अनुसार यहा पर 6 क्लासों का 2 शिफ़्टों मे संचालन किया जाता है,जिनमे नियमानुसार 30 छात्र प्रति क्लास ही बैठाये जा सकते है|इस प्रकार इस संस्थान की कुल 360 छात्रो की नियमानुसार क्षमता है,यदि कोरोना गाइडलाइन की पालना सख्ती से करवाई जाए तो मात्र 180 छात्रों को ही बुलाने की अनुमति है लेकिन इसके विपरीत यहा पर रोज 400 से 500 छात्र रोज आ रहे है|

जवाब मांगते सवाल?

1. इस भवन मे हो रही भवन मानचित्र अनुज्ञा की शर्तों के उल्लंघन का जिम्मेदार कौन?भवन मालिक श्री संतोष अग्रवाल या फिर कोचिंग संचालक?आखिर क्यूँ भवन मालिक श्री संतोष अग्रवाल चंद रुपयों की खातिर सैंकड़ों बच्चों की ज़िंदगियों से खिलवाड़ कर रहे है?क्या भवन मालिक श्री संतोष अग्रवाल द्वारा इस भवन की हर साल फायर ऑडिट करवाई जाती है?
2. क्या इस संस्थान से अलग हुए इस संस्थान के संस्थापक श्री आरपी शर्मा द्वारा लगाए गए सभी आरोप सही है?
3. क्या संस्थान द्वारा वाकई जीएसटी और इन्कम टेक्स के आंकड़े छुपाये जा रहे है?
4. क्या संस्थान द्वारा अपने कर्मचारियों को पीएफ़,ईएसआई और इंश्योरेंस की सुविधा नहीं देकर,श्रम क़ानूनों का उल्लंघन नहीं किया जा रहा है?
5. क्या अनुभवी फेकल्टियों को हटा कर,संस्थान छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर रहे है?
6. आखिर क्यूँ संस्थान अपने कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवा रही?कहीं यहाँ पर कार्यरत किसी कार्मिक के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण तो दर्ज नहीं है?
7. आखिर क्यूँ नगर निगम/स्थानीय पुलिस कोरोना गाइडलाइन का उल्लंघन करने के विरुद्ध इस संस्थान को सीजनहीं कर रही?
8. क्या कभी शिक्षा विभाग द्वारा इस कोचिंग संस्थान का औचक निरीक्षण किया जाकर,यहाँ की शिक्षण गुणवत्ता,कुल क्षमता, और मूलभूत सुविधाओं की जांच की गयी?

श्री शर्मा ने लगाए गंभीर आरोप,संस्थान के कर्ता-धर्ता ढूंढ रहे नए फाइनेंसर

श्री शर्मा द्वारा मीडिया को बताया गया कि उनके और अन्य दो डायरेक्टरों के इस्तीफे के बाद कंपनी की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं चल रही और संस्थान के कर्ता-धर्ता नए फाइनेंसर ढूंढ रहे है|उन्होने आम जन से आगाह किया है कि वह किसी भी प्रकार के झांसे मे ना आए अन्यथा उन्हे भी संस्थान के कर्ता-धर्ताओ की गलत नीतियों के चलते भविष्य मे धोखा ही मिलेगा|

AIM4 कोचिंग संस्थान से जुड़े अन्य मामलों का खुलासा अगले अंकों मे जारी.....